# NCERT SOLUTIONS

## CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 17

Chapter Name : बाज और साँप

Q1 लेखक ने इस कहानी का शीर्षक कहानी के दो पात्रों के आधार पर रखा है | लेखक ने बाज़ और साँप को ही क्यों चुना? आपस में चर्चा कीजिए |

Answer. लेखक ने बाज़ और साँप को ही इसलिए चुना क्योंकि बाज़ आसमान में उड़ता है और साँप ज़मीन पर रहता है | इन दोनों के माध्यम से लेखक ने जिंदगी के प्रति दो नज़रिये बताने की कोशिश की है |

Page : 116, Block Name : शीर्षक और नायक

Q1 घायल होने के बाद भी बाज ने यह क्यों कहा," मुझे कोई शिकायत नहीं है।" विचार प्रकट कीजिए।

Answer. बाज ने अपने जीवन को जी भरकर जिया| उसने आकाश में पंख फैलाकर बहुत ऊंची उड़ाने भरी| उसने अपने जीवन के सभी सुखों को भोग लिया था इसलिए वह अपने जीवन से पूरी तरह संतुष्ट था| और उसे अपने जीवन से कोई शिकायत नहीं थी|

Page : 117, Block Name : कहानी से

Q2 बाज ज़िंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना क्यों चाहता था?

Answer. बाज अपने अंतिम समय में एक बार फिर से उड़ने का आनंद प्राप्त करना चाहता था|

Page : 117, Block Name : कहानी से

Q3 साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की ?

Answer. साँप ने जब बाज का आकाश के लिए प्रेम देखा तो उसने सोचा आकाश में ऐसा कौन सा खजाना हैं जिसके लिए बाज ने अपने प्राण गवाँ दिए| इसी खजाने के रहस्य को जानने के लिए साँप ने उड़ने की कोशिश की|

Page : 117, Block Name : कहानी से

Q4 बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था?

Answer. लहरों ने बाज की बहादुरी और साहस को देखकर उसके लिए गीत गाया था|

Page : 117, Block Name : कहानी से

Q5 घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा?

Answer. बाज साँप का शिकार करता हैं| घायल बाज को देखकर साँप इसलिए खुश था क्योंकि वह बाज अपने जीवन की अंतिम साँसे गिन रहा था और उसे कोई नुकसान नहीं पंहुचा सकता था|

aglasem.com

Page : 117, Block Name : कहानी से

Q1 कहानी में से वे पंक्तियाँ चुनकर लिखिए जिनसे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती हो|

Answer.

· जब तक शरीर में ताकत रही, कोई सुख ऐसा नहीं बचा जिसे न भोगा हो। दूर-दूर तक उड़ाने भरी हैं, आकाश की असीम ऊँचाइयों को अपने पंखों से नाप आया हूँ।

· वह दुने उत्साह से अपने घायल शरीर को घसीटता हुआ चट्टान के किनारे तक ले आया|

· वह समय दूर नहीं है, जब तुम्हारे खून की एक-एक बूँद जिंदगी के अँधेरे में प्रकाश फैलाएगी और साहसी, बहादुर दिलों में स्वतंत्रता और प्रकाश के लिए प्रेम पैदा करेगी।

Page : 117, Block Name : कहानी से आगे

Q2 लहरों का गीत सुनने के बाद साँप ने क्या सोचा होगा? क्या उसने फिर से उड़ने की कोशिश की होगी? अपनी कल्पना से आगे की कहानी पूरी कीजिए |

Answer. लहरों का गीत सुनने के बाद साँप में भी साहस आया होगा और शायद उसने फिर से उड़ने की कोशिश की होगी |

Page : 117, Block Name : कहानी से आगे

Q3 क्या पक्षियों को उड़ते समय सचमुच आनंद का अनुभव होता होगा या स्वाभाविक कार्य में आनंद का अनुभव होता ही नहीं? विचार प्रकट कीजिए |

Answer - पक्षियों को उड़ते समय आनंद का अनुभव होता होगा क्योंकि ये उनका कार्य है | उनकी प्रवृत्ति है उड़ना, इसलिए उन्हें आसमान में अपने पंख फैलाकर उड़ान भरना अच्छा लगता होगा |

Page : 117, Block Name : कहानी से आगे

Q4 मानव ने भी हमेशा पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा की हैं| आज मनुष्य उड़ने की इच्छा किन साधनों से पूरी करता हैं|

Answer. मनुष्य ने अपने उड़ने की इच्छा हवाई जहाज़ के सफर को तय करके पूरी की हैं|

Page : 117, Block Name : कहानी से आगे

Q5यदि इस कहानी के पात्र बाज और साँप न होकर कोई और होते तब कहानी कैसी होती? अपनी कल्पना से लिखिए।

Answer. लेखक इस कहानी के माध्यम से जो सन्देश देना चाहता है वह इन्ही दो पात्रों के प्रयोग से भली प्रकार समझाया जा सकता है। लेखक का मूल उद्देश्य 'विचारों में अंतर' दर्शाना है।

Page : 117, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 कहानी में से अपनी पसंद के पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

Answer.

- आश्चर्य का ठिकाना न रहना - परीक्षा में प्रथम आने पर मोहन के आश्चर्य का ठिकाना न रहा|
- भाँप लेना - घायल बाज को देखकर साँप ने भाँप लिया की अब बाज का अंतिम समय आ गया हैं|
- मन में आशा जागना – इस कहानी से हमारे मन में भी आशा की किरण जागी हैं|
- प्राण हथेली में रखना – साँप भी अपने प्राण हथेली पर रखकर उड़ने की कोशिश करने लगा|
- हिम्मत बाँधना – कठिन समय में अपनों का साथ हमें हिम्मत बंधाता हैं|

Page : 118, Block Name : भाषा की बात

Q2 आरामदेह' शब्द में 'देह' प्रत्यय है। 'देह' 'देनेवाला' के अर्थ में प्रयुक्त होता है। देनेवाला के अर्थ में 'द', 'प्रद', 'दाता', 'दाई' आदि का प्रयोग भी होता है, जैसे – सुखद, सुखदाता, सुखदाई, सुखप्रद। उपर्युक्त समानार्थी प्रत्ययों को लेकर दो – दो शब्द बनाइए।

Answer.

द – दुखद, जलद

प्रद – लाभप्रद, शिक्षाप्रद

दाता - परामर्शदाता, सुखदाता

दाई - सुखदाई, दुखदाई

देह - लाभदेह, आरामदेह

Page : 118, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com